EPC 1 Reading and Reflecting on Text

Note on Expository Text like: Making Prediction, Answer Question & Summarizing

(See the last point of Unit ii in your Syllabus of BNMU)

Predicting (पूर्वानुमान)

आप इस शब्द से ही अनुमान लगा चुके होंगे कि यह किसी पाठ्य वस्तु (Text) को पढ़ने के पूर्व एक पाठक द्वारा लगाए जाने वाले अनुमान पर आधारित है। एक अच्छा पाठक अपने अनुभव के द्वारा किसी पाठ्य वस्तु के टाइटल या उसके contents की headings को देख कर उस पाठ्य वस्तु के बारे में पूर्वानुमान लगाता है, फिर उसे पूरे तौर पर पढ़ने की ओर बढ़ता है। पूर्वानुमान एक पाठक द्वारा पढे जाने वाले text के बारे में उसकी आगामी सोच को दर्शाता है।

आप जब कोई कथा पढ़ते हैं तो आपका मस्तिष्क उस कहानी में आगे घटित होने वाली घटनाओं के बारे में सोच रहा होता है। कभी आपके द्वारा लगाया जाने वाला अनुमान पूरी तरह उस कहानी की अगली कड़ी में घटित हो जाता है और कभी आपकी सोच से परे कुछ घटित होता है। लेकिन आपके द्वारा लगाया जाने वाला यह अनुमान आपको उस कहानी से जोड़े रखने में अवश्य सहायक हो सकता है।

कह सकते हैं कि -

#Making prediction gives us purpose to read and it gets our mind ready to read.

#In classroom interaction this is a valuable stage in listening and reading activities.

#And truly this is an important step in Pre- reading activities.

पूर्वानुमान किसी पाठ्य वस्तु के बोध में निम्न प्रकार से सहायक हो सकता है:

१ एक पाठक पाठ्य वस्तु के टाइटल को देख कर उसके कंटेंट का अनुमान लगा सकता है।

२ एक पाठक में विभिन्न प्रकार के wh- question like who might be, what might happen जैसे प्रश्न करने में अभिक्षमता विकसित हो सकती है।

३ एक पाठक की पाठ्य वस्तु में रुचि बनाए रखने में सहायक हो सकता है

४ यह attentive reading में सहायक हो सकता है।

<u>शिक्षक द्वारा किसी पाठक में पूर्वानुमान कौशल कैसे विकसित किया जाए:</u>

पढ़ने के दौरान शिक्षक द्वारा छात्रों को पूर्वानुमान हेतु encourage किया जा सकता है क्योंकि यह उन्हें किसी text को attentively पढ़ने में सहायक होता है। शिक्षक छात्रों को संबोधित करते हुए विभिन्न प्रकार के चित्र दे सकता है और फिर उसके बारे में पूर्वानुमान लगाने हेतु प्रेरित कर सकता

है। किसी कहानी का टाइटल देकर उस कहानी के बारे में पूर्वानुमान लगाने हेतु प्रेरित कर सकता है। कोई रीजनिंग का प्रश्न देकर उसे प्रेरित कर सकता है। पूर्वानुमान , विज्ञान में एक प्रक्रिया कौशल के रूप में पढ़ा जाता है इसलिए इसका संबंध कला, साहित्य और विज्ञान किसी से अछूता नहीं है। शोध में हम जो परिकल्पना निर्माण करते हैं, वह भी एक पूर्वानुमान ही है। शिक्षक अपने छात्रों के experience, knowledge, interest इत्यादि से प्रायः अवगत रहता है इसलिए वह छात्रों में इस कौशल के विकास के लिए appropriate question, create कर के उसे पूर्वानुमान में दक्ष बनाने में सहायक हो सकता है।

पूर्वानुमान (Prediction) बनाम अनुमान (Guess) : Prediction अर्थात पूर्वानुमान एवं Guess अर्थात अनुमान को कभी कभी व्यक्ति एक ही sense में ले लेते है। हालांकि दोनों में काफी अंतर है। पूर्वानुमान एक विज्ञान प्रक्रिया कौशल है, जिसमें किसी चीज का अनुमान लगाने के लिए किसी pattern of evidence अथवा relevant experience इत्यादि की आवश्यकता पड़ती है जबकि Guess अर्थात अनुमान के लिए ऐसी कोई शर्त नहीं होती। एक आम आदमी जब कहता है कि बारिश की संभावना है तो सदैव यह नहीं कहा जा सकता है की वह predict कर रहा है लेकिन जब एक मौसम वैज्ञानिक कहता है कि बारिश की संभावना है तो सदैव यह कहा जा सकता है की मौसम वैज्ञानिक ने predict किया है। एक छात्र जब certain statistics or past experience or learnings को आधार बनाकर किसी रिजल्ट तक पहुंचता है तो निश्चित वह making prediction के अन्तर्गत आएगा किन्तु

without previous study, कोई छात्रा किसी विषय पर अटकलें लगाए तो वह केवल अनुमान अर्थात Guess कहलायेगा।

निष्कर्ष: पूर्वानुमान के लिए आवश्यक है कि छात्र 'घटनाओं के तार्किक क्रम' (Logical Sequence of Events) का अनुपालन करें क्योंकि यह what happens next पर आधारित होता है। साथ ही, पूर्वानुमान पाठकों को Critical Thinking एवं problem solving skills को use करने के लिए भी प्रोत्साहित करता है। इसी लिए पूर्वानुमान को एक बहुत ही important reading strategy की श्रेणी में रखा जाता है।

Meet you soon with next part of this lecture.....Thanks..